Giodda college, Giodda

Name of the teacher	Course	Sem	Subject	Title	Mode
Dr Pankaj Kumar	B.Ed	II	T.C-204	Aptitude tests	Pdf

P.Kumar
26/04/2020

Aptitude tests (अभिरुचि परीक्षण)

अभिरुचि का अर्थ (Meaning of Aptitude) -
अभिरुचि किसी विषय या क्षेत्र में ज्ञान हासिल करने या सीखने की अन्तः शक्ति (Potential) है। अर्थात् किसी खास विषय या क्षेत्र में ज्ञान, अभिरुचि, कौशलता आदि विकसित करने की क्षमता से होता है। किसी व्यक्ति की अभिरुचि को जानकर शिक्षक आसानी से उसके भविष्य के निष्पादनों के बारे में पूर्वानुमान (Prediction) लगा सकते हैं।

अभिरुचि को परिभाषित करते हुए फ्रीमैन (Freeman, 1962) के कहा है,- "उन गुणों के संयोग जिनसे कुछ विशिष्ट ज्ञान एवं संगठित अनुक्रियाओं के सेट की कौशलता जैसे कोई भाषा बोलना, गायक बनना, यांत्रिक कार्य करना आदि से (प्रशिक्षण के साथ) सीखने की क्षमता का पता चलता है, अभिरुचि कहा जाता है।"

टुकमैन (TUCKman, 1975) के अनुसार - "क्षमताओं एवं अन्य गुणों चाहे जन्मजात हों या अर्जित हों, का एक ऐसा संयोग जिससे व्यक्ति में सीखने की क्षमता या किसी खास क्षेत्र में निपुणता विकसित करने की क्षमता का पता चलता है, अभिरुचि कहलाता है।"

बिंघम (Bingham) के शब्दों में - "किसी विशिष्ट प्रशिक्षण के उपरान्त दिए गए क्षेत्र में कुशलता या

कौशल या प्रतिक्रियाओं का समुच्चय को अर्जित करने की किसी व्यक्ति की योग्यता को व्यापक लाक्षणिक रूप से व्यक्त करने वाली विशेषता अथवा दशाओं का समुच्चय अभिरुचि है।"

अभिरुचि के अर्थ के संबंध में विवेचना के उपरांत स्पष्ट होता है कि अभिरुचि से तात्पर्य व्यक्ति के उस झुकाव रुचि या योग्यता से है जो किसी विशिष्ट कार्य, पाठ्यक्रम या व्यवसाय में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक व महत्वपूर्ण होती है। शिक्षकों को छात्रों की अभिरुचि का ज्ञान होने से उन्हें निर्देश देने में तथा भविष्य में उनके निष्पादन (Performance) के बारे में पूर्वानुमान लगाने में काफी सहूलियत होती है।

अभिरुचि की विशेषता (बिंघम (Bingham) के अनुसार)

(I) किसी व्यक्ति की वर्तमान अभिरुचि उसके वर्तमान गुणों का एक ऐसा समुच्चय है जो उसकी भावी दक्षताओं की ओर संकेत करता है।

(II) किसी व्यक्ति में अभिरुचि किसी कार्य को करने में उसकी सन्नद्धता (Fitness) को व्यक्त करती है।

(III) अभिरुचि किसी मूर्त (concrete) वस्तु या योग्यता का नाम न होकर एक अमूर्त (abstract) रूप है जो व्यक्ति के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के एक विशेष गुण को व्यक्त करती है।

(IV) अभिरुचि वर्तमान में होने पर भी भविष्य की दक्षताओं का प्रतीक होती है।

(V) अभिरुचि का योग्यता, रुचि तथा सन्तुष्टि से घनिष्ठ सम्बन्ध होता है।

अभिप्रेरणा की मान्यताएँ (विषय में तीन मान्यताओं का वर्णन किया है)-

(i) अभिप्रेरणाओं का असमान्य विकास - व्यक्ति की प्रायः समस्त अभिप्रेरणाएँ सामान्य रूप से विकसित नहीं होती है बल्कि उनमें समरूपता न होकर असमानताएँ पाई जाती है। प्रायः प्रत्येक प्रकार के व्यक्ति की प्रेरणाओं में वैयक्तिक भिन्नताएँ पाई जाती है। प्रत्येक प्रकार के व्यक्ति में उसके उच्चतम तथा निम्नतम अभिप्रेरणाओं में बहुत अधिक अन्तर पाया जाता है। उदाहरणस्वरूप - एक ही व्यक्ति एक क्षेत्र में बहुत अधिक क्षमता वाला हो सकता है तथा दूसरे क्षेत्र में बहुत कम क्षमता वाला हो सकता है।

(ii) अभिप्रेरणाओं में वैयक्तिक भिन्नता - अभिप्रेरणा की प्रकृति वैयक्तिक होती है। दूसरे शब्दों में, अभिप्रेरणाओं में व्यक्तिगत भिन्नताएँ पाई जाती है। किसी भी दो व्यक्तियों की अभिप्रेरणाओं में अंतर होना स्वाभाविक होता है।

(iii) अभिप्रेरणाओं में अस्थिरता - यद्यपि किसी व्यक्ति की अभिप्रेरणाएँ स्थिर रहती है फिर भी इनमें परिवर्तन आ सकते हो परन्तु ये परिवर्तन क्रमिक तथा अत्यन्त अल्प मात्रा में होते है। जैसे - उच्चकोटि के संगीतज्ञ के मापन सम्बन्धी प्रेरणाएँ शाश्वत रूप से एक जैसे न होकर उनमें उतार-चढ़ाव होता रहता है।

अभिप्रेरणा का मापन (Measurement of ~~Aptitude~~ Aptitude) -

अभिप्रेरणा का मापन अभिप्रेरणा के मानक परीक्षणों द्वारा किया जाता है। फ्रीमैन (Freeman 1965) के अनुसार-

"अभिरुचि परीक्षण वह है जिसकी रचना किसी विशेष प्रकार की तथा किसी सीमित क्षेत्र की क्रिया करने की वास्तविक योग्यता को मापने के लिए की जाती है।"

मनोवैज्ञानिकों एवं शिक्षाशास्त्रियों द्वारा निर्मित कई अभिरुचि परीक्षणों को दो विस्तृत भागों में बाँटा जा सकता है:-

1. सामान्य अभिरुचि परीक्षण (General Aptitude test)
2. विशिष्ट अभिरुचि परीक्षण (Specific Aptitude test)

1. सामान्य अभिरुचि परीक्षण - सामान्य अभिरुचि परीक्षण वैसे परीक्षण को कहा जाता है जिसके द्वारा व्यक्ति की अभिरुचि किसी एक विशिष्ट क्षेत्र में नहीं बल्कि कई ऐसे विशिष्ट क्षेत्रों की अभिरुचियों का मापन एक साथ हो जाता है। इसलिए ऐसे अभिरुचि परीक्षण को बहुअभिरुचि परीक्षणमाला (Multi-aptitude batteries) भी कहा जाता है। यह दो परीक्षण व्यक्ति की विभिन्न अभिरुचियों में विभेद को व्यक्त करते हैं इसलिए इन्हें भेदक अभिरुचि परीक्षण (Differential Aptitude test) (DAT) भी कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षणों में प्रायः शाब्दिक बोध, स्थानगत बोध, यान्त्रिक बोध, आदि से सम्बन्धित उप-परीक्षण होते हैं। विभेदक अभिरुचि परीक्षण (DAT), सामान्य अभिरुचि परीक्षण बैटरी (GATB), अभिरुचि सर्वेक्षण (AS) तथा अभिरुचि वर्गीकरण परीक्षण (ACT) कुछ प्रमुख अभिरुचि परीक्षण हैं। इनमें DAT, और GATB अधिक महत्वपूर्ण है।

Scanned with CamScanner

(ii) विभेदक अभिक्षमता परीक्षण (Differential Aptitude Test, DAT) : अमेरिका के जॉर्ज के कार्पोरेशन (Psychological Corporation) के द्वारा प्रकाशित तथा बेनेट (Bennett), सीशोर (Seashore) तथा वेसमैन (Wesman) के द्वारा तैयार किया गया विभेदक अभिक्षमता परीक्षण (DAT) एक सामूहिक प्रश्नों तथा पद्धतियों के प्रयोग किया जाने वाला परीक्षण है। यह परीक्षण कक्षा 8 से 12 तक के लिए है तथा इसके दो प्रपत्र (Forms) हैं। प्रपत्र अ (Form S) तथा प्रपत्र ब (Form T)। प्रत्येक प्रपत्र के चार-चार (कुल आठ) उप-परीक्षण हैं जो दो परीक्षण पुस्तिकाओं में सम्मिलित होते हैं।

एक परीक्षण पुस्तिका में -

⇒ शाब्दिक चिंतन (Verbal Reasoning or VR)
⇒ संख्यात्मक क्षमता (Numerical Ability or NA)
⇒ अमूर्त चिन्तन (Abstract Reasoning or AR)
⇒ लिपिक गति और यथार्थता (Clerical Speed & Accuracy or CSA)

जिसके लिए क्रमशः 30, 30, 25 एवं 6 मिनट अर्थात 91 मिनट का समय निर्धारित रहता है।

दूसरे परीक्षण पुस्तिका में :-

⇒ यांत्रिक चिन्तन (Mechanical Reasoning, MR)
⇒ स्थानगत सम्बन्ध (Space Relations, SR)
⇒ वर्तनी (Spelling, SP)
⇒ भाषा प्रयोग / भाषा व्यवहार (Language Usage, LU)

इसके लिए क्रमशः 30, 25, 10 एवं 25 मिनट अर्थात 90 मिनट का समय निर्धारित रहता है।

Scanned with CamScanner

लिपिक गति व परिशुद्धता (Clerical Speed & Accuracy or CSA) परीक्षण Speed test है, शेष सभी परीक्षण शक्ति परीक्षण (power test) है।

सम्पूर्ण परीक्षण को परिमित के अनुसार दो, चार या छः भागों में प्रशासित किया जा सकता है। परीक्षण निर्माताओं ने शाब्दिक चिन्तन (VR) + आंकिक योग्यता (NA) नामक एक नवीं परीक्षण प्रारंभ भी इंगित किया है जिसे सामान्य शैक्षिक अभिरुचि (General Scholastic Aptitude) के रूप में व्यक्त किया गया है।

DAT की लोकप्रियता पूरे संसार में फैली है। इसी लोकप्रियता के परिणामस्वरूप DAT का हिन्दी भाषा में रूपान्तरण (adaptation) प्रोफेसर एम ओझा द्वारा किया गया है जो 'मानसायन' दिल्ली द्वारा प्रकाशित हुआ है।

(b) सामान्य अभिरुचि परीक्षण बैटरी (General Aptitude Test Battery/(GATB) →

सामान्य अभिरुचि परीक्षण बैटरी द्वारा 9 अभिरुचियों का मापन 12 परीक्षणों द्वारा होता है। 12 में से 8 परीक्षण पेपर-पेन्सिल परीक्षण (Paper-Pencil test) है तथा बाकी 4 परीक्षण के क्रियान्वयन के लिए उपकरण (apparatus) की आवश्यकता होती है और इस परीक्षण में करीब-करीब 2 घंटे का समय लगता है। वे सभी 9 अभिरुचियाँ जिन्हें इस परीक्षण माला द्वारा मापा जाता है निम्नांकित हैं—

(i) बुद्धि (Intelligence or G) - इसके द्वारा तीन तरह की अभिक्षमताओं की माप की जाती है -

(a) शब्दावली (vocabulary)
(b) अंकगणितीय चिन्तन (Arithmetical reasoning)
(c) त्रिविमीय स्थान (Three dimensional Space)

(ii) शाब्दिक (verbal or V) - इससे समानार्थक शब्द एवं विलोम (antonyms) शब्दों की शब्दावली से संबंधित ज्ञान की माप होती है।

(iii) संख्यात्मक (Numerical or N) - इससे परिगणन (computation) एवं अंक गणितीय चिन्तन (arithmetical reasoning) की माप होती है।

(iv) दैशिक (Spatial or S) - इसके द्वारा वस्तुओं को दो विमाओं में अंकित करके त्रिविमीय प्रत्यक्षण (tridimensional Perception) करने की क्षमता की माप की जाती है।

(v) लिपिकीय प्रत्यक्षण (Clerical Perception or Q) - इसके द्वारा नामों को मिलान करने की क्षमता की माप की जाती है।

(vi) क्रियात्मक समन्वय (Motor-co-ordination or K) - इसके द्वारा विशिष्ट चिह्नों को कई वर्गों (squares) में सजाने की क्षमता की माप होती है।

(vii) अंगुली निपुणता (Finger dexterity or F) - इसके द्वारा ~~[illegible]~~ मशीनों के वाशर (washers) एवं पेंच (Rivet) को इकट्ठा करना तथा उसे विपरीत कर पुनः इकट्ठा करने की क्षमता की माप होती है।

(viii) हस्त निपुणता (Manual dexterity or M) - मशीन की मूठियों एवं घुण्डी (knob) को घुमाने की क्षमता का मापन होता है।

Scanned with CamScanner

(IX) आकार प्रत्यक्षण (Form Perception) के द्वारा वस्तुओं के विभिन्न आकारों का सही प्रत्यक्षण करने की क्षमता की जाँच होती है।

इन दो प्रमुख बहु अभिक्षमता परीक्षणों (Multiaptitude battery) के अलावा भारत की ओर बहु अभिक्षमता परीक्षण बनाये हैं जिनमें :
Flanagan Aptitude Classification Test (FACT)
Guilford - Zimmerman Aptitude Survey (GZAS)
Multiple Aptitude Test तथा
Academic Promise Test प्रमुख हैं।

2. विशिष्ट अभिक्षमता परीक्षण (Specific Aptitude Test) - यह वह परीक्षण है जिनके द्वारा किसी एक ही तरह की अभिक्षमता की जाँच की जाती है। ऐसे परीक्षण को एक कारक अभिक्षमता परीक्षण (Unifactor aptitude test) भी कहा जाता है। ऐसे प्रमुख परीक्षण निम्नलिखित हैं-

(i) Minnesota Mechanical Assembly Test - इसे मिनेसोटा विश्वविद्यालय (Minnesota University) ने 1930 ई० में बनाया गया इसके द्वारा यांत्रिक अभिक्षमता (Mechanical aptitude) को मापा जाता है।

(ii) SRA Mechanical Assembly Test - यह भी यांत्रिक अभिक्षमता को ही मापता है। इसके तीन उप परीक्षण हैं जो यांत्रिक अभिक्षमता के ही विभिन्न पहलु को मापते हैं।

(a) यांत्रिक सूचना (Mechanical information)
(b) रूप प्रत्यक्षीकरण तथा स्थानगत दृष्टि (Form Perception and Spatial vision)
(c) गति तौल की अंकगणितीय समस्याओं का समाधान

(III) Test Seashore Measures of Musical Talent- यह परीक्षण छात्रों की संगीत अभिरुचि मापने का सबसे पहला परीक्षण है। इसके द्वारा छठी - बारहवें कॉलेज तक की छात्र - छात्राओं की संगीत अभिरुचि का मापन होता है।

(IV) Dark Musical Aptitude Test - यह परीक्षण संगीत अभिरुचि के दो वस्तुओं - (a) संगीत स्मृति (Musical memory) तथा (b) लय (rhythm) की माप करता है। इसका प्रयोग आठ वर्ष या इससे ऊपर की आयु के छात्रों पर किया जाता है।

(V) Detroit Clerical Aptitude Test - लिपिक अभिरुचि (Clerical aptitude) को मापने का एक बहुत अच्छा परीक्षण है इसके द्वारा निम्नांकित वस्तुओं का मापन होता है:-

(a) हस्तलेखन, क्रियात्मक गति एवं शुद्धता (Handwriting, motor speed accuracy)

(b) साधारण अंकगणित, साधारण वाणिज्यिक या व्यापारिक पदों का ज्ञान (Simple arithmetic, knowledge of simple commercial terms)

(c) जाँच करना, आनुवर्णिक क्रम से सजाना (Checking alphabetical filling etc)

(VI) General Clerical Aptitude Test - लिपिक अभिरुचि को मापने का परीक्षण है। इसके द्वारा निम्नांकित वस्तुओं को मापा जाता है:-

(a) अंकगणितीय समस्या (Arithmetical problem)

(b) हिज्जे (Spelling)

Scanned with CamScanner

(c) शब्द का अर्थ (Word meaning)
(d) भाषा प्रयोग (Use of language)
(e) पठित समझना (Reading Comprehension)

(VII) Scientific Aptitude Test for college students (SATC) - इस परीक्षण द्वारा कॉलेज के छात्रों की वैज्ञानिक अभिरुचता को मापा जाता है। यह परीक्षण बिहार में ए० के० पी० सिन्हा (A.K.P Sinha) तथा एल० एन० के० सिन्हा (L.N.K Sinha) द्वारा निर्मित किया गया। यह परीक्षण हिन्दी भाषा में है तथा इसका मानकीकरण कॉलेज के 592 छात्रों पर किया गया है।

शिक्षा में अभिरुचता परीक्षण की उपयोगिता (Utility of Aptitude in Education) -

⇒ अभिरुचता परीक्षण द्वारा शिक्षक उच्च उच्च शक्ति वाले छात्रों का चयन कर लेते हैं।

⇒ इसके द्वारा छात्रों की समस्याओं का निदान किया जाता है।

⇒ अभिरुचता परीक्षण का प्रयोग शिक्षकों एवं स्कूल परामर्शदाताओं (School counsellor) द्वारा कुछ विशेष क्षेत्रों जैसे - कला, चिकित्सा, यंत्र आदि में छात्रों को Feedback प्रदान करने के लिए भी किया जाता है।

⇒ इस परीक्षण के आधार पर शिक्षक भविष्य में अमुक विषय या क्षेत्र में छात्रों के निष्पादन (Performance) के बारे में पूर्वानुमान लगा सकते हैं।

⇒ छात्रों का श्रेणीकरण करने एवं उसके अनुसार नियोजित करने में मदद मिलती है।

अतः उपरोक्त उद्देश्यों के अनुसार शिक्षक एक या अधिक परीक्षणों को कर कर वे निष्कर्ष को प्राप्त करते हैं जो बुद्धि परीक्षण के समान ही कारगर उपयोगी है।

Scanned with CamScanner